सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 103 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 17 मई, 2025

मूल्य ₹ 3/-

पूंजी मृत श्रम है, जो पिशाच की तरह केवल जीवित श्रमिकों का खून चूस कर जिंदा रहता है, और जितना अधिक ये जिंदा रहता है उतना ही अधिक श्रमिकों को चूसता है।
-कार्ल मार्क्स

आईपीएल के दूसरे चरण का आगाज... 7 | चुनावी धांधली को जाति जनगणना... 3 | कीकिकिकि... 2

विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधि मंडल को लेकर बवाल

सरकार व कांग्रेस में बढ़ा टकराव

» सीधे सांसदों को सरकार के फोन पर बरसी कांग्रेस बोली- पारदर्शिता नहीं

» पाकिस्तान के पोल खोल अभियान पर केंद्र को घेरा

» सरकार ने कांग्रेस की प्रतिक्रिया पर हैरानी जताई

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए भारत सरकार द्वारा पूरी दुनिया में सांसदों का प्रतिनिधिमंडल भेजा जाएगा। इस दल में कांग्रेस समेत विपक्ष के सांसदों के साथ सत्ता दल के सांसद भी शामिल होंगे। उधर जहां सांसद पाक की कारस्तानी को दुनिया के सामने खोलने के लिए सासंद तैयार हैं वहीं कांग्रेस ने प्रतिनिधिमंडल में सरकार द्वारा मनमानी करने पर सवाल उठाया है।

कांग्रेस सांसद ने उदित राज प्रतिनिधि मंडल भेजे जाने को बकवास बताया है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार द्वारा सांसदों को डायरेक्ट संपर्क किए जाने पर आपत्ति जताई है। इन सबके बीच सांसद शशी थरूर ने सरकार द्वारा चुने जाने पर स्वागत किया। उधर जयराम रमेश थरूर पर कोई भी प्रतिक्रिया देने से इंकार कर दिया है। प्रतिनिधिमंडल में शशि थरूर का चयन कांग्रेस के लिए एक नाजुक समय पर हुआ है। हाल ही में उन्होंने सरकार के सैन्य कदमों की तारीफ की थी। सरकार की तारीफ करने पर बीजेपी के नेताओं ने उनकी सराहना की। लेकिन, कांग्रेस पार्टी में ही कुछ लोग उनसे नाराज हैं। थरूर ने कहा था कि सरकार ने संयम से काम लिया।

कांग्रेस ने चार नाम दिए थे

कांग्रेस के कम से कम चार सांसदों को भी सरकार ने इस काम के लिए चुना है। इनमें थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह शामिल हैं। हालांकि, कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि कम से कम तीन नेताओं ने सरकार से कहा कि वह नामों के लिए उनकी पार्टी के नेतृत्व से संपर्क करे।

इस निमंत्रण से सम्मानित महसूस कर रहा हूं : थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी पूरी दुनिया को देने वाले प्रतिनिधिमंडल का मेंबर बनाए जाने पर केंद्र सरकार को शुक्रिया कहा है। उन्होंने कहा कि वे इस निमंत्रण से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब देश के हित की बात आएगी, तो वे पीछे नहीं हटेंगे।

प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों को राष्ट्रहित में काम करना चाहिए : सरकार

सरकार ने कांग्रेस की प्रतिक्रिया पर हैरानी जताई। एक सूत्र ने कहा, प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों को राष्ट्रहित में काम करना चाहिए, न कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में। वे वहां भारतीय बनकर जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हमेशा से यही तरीका रहा है कि सरकार सदस्यों को चुनती है। अब तक किसी ने इस पर आपत्ति नहीं की है। एक पार्टी के नेता ने बताया कि उन्हें 22-23 मई तक रवाना होने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। यह दौरा 10 दिनों का होगा। विदेश मंत्रालय उन्हें यात्रा कार्यक्रम सहित पूरी जानकारी देगा। सूत्रों के अनुसार, पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, राजीव प्रताप रूडी, अनुराग ठाकुर, अपराजिता सारंगी, समिक भट्टाचार्य और बृज लाल भाजपा के उन सदस्यों में शामिल हैं जो इन टीमों का हिस्सा होंगे।

सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जाएगा

सरकार पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर विभिन्न देशों को जानकारी देने के लिए सर्वदलीय टीम भेजेगी। सरकार ऑपरेशन सिंदूर के तहत यह कदम उठा रही है। सरकार अलग-अलग देशों में सांसदों के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजेगी। यह प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे आतंकवाद के बारे में दुनिया को बताएगा। हर टीम में सात या आठ सदस्य होंगे। भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, एनसीपी (एसपी), जेडीयू, बीजेडी, शिवसेना (यूबीटी), सीपीएम और कुछ अन्य दलों के सांसद इन प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा होंगे। इससे यह संदेश जाएगा कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एक साथ है। सूत्रों के अनुसार, कुछ पूर्व मंत्री इन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करेंगे। यह दौरा लगभग 10 दिनों का होगा। विदेश मंत्रालय रवाना होने से पहले सांसदों को जानकारी देगा।

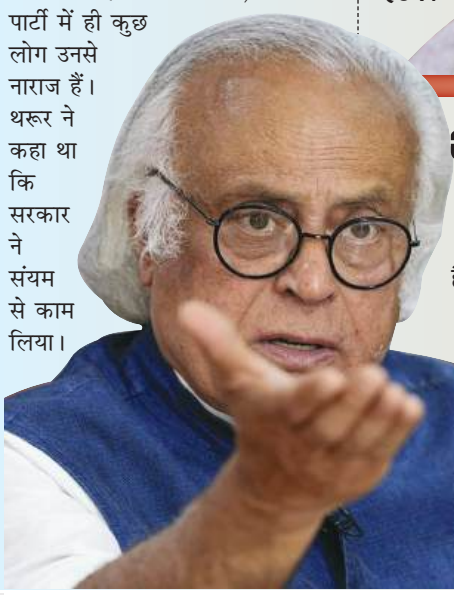

थरूर का बयान पार्टी की राय नहीं होती : जयराम

थरूर के विचार कांग्रेस पार्टी की सोच से अलग हैं। कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर पारदर्शिता की कमी का आरोप लगा रही है। कांग्रेस पार्टी ने अमेरिका की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। हाल ही में, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने थरूर के बयानों से किनारा कर लिया। उन्होंने कहा, उनकी राय है। जब थरूर साहब बोलते हैं, तो यह पार्टी की राय नहीं होती।

कौन जाएगा, यह तय करना नेतृत्व का काम : कांग्रेस

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, सरकार ने सीधे सांसदों से संपर्क किया, जो उन्हें पसंद नहीं आया। वे चाहते थे कि सरकार पहले पार्टी नेतृत्व से बात करे। सूत्रों ने कहा कि पार्टी सदस्य देशहित में प्रतिनिधिमंडलों में शामिल होंगे, लेकिन कौन जाएगा, यह तय करना नेतृत्व का काम है। शशि थरूर को प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की संभावना पर उन्हें खास तौर पर आपत्ति थी। शायद उन्हें अमेरिका जाने वाले दल का नेतृत्व करने के लिए चुना जा सकता है। एक सूत्र ने कहा, वे विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं, इसलिए उन्हें चुना जाना चाहिए था, लेकिन हाल ही में उनके बयान पार्टी के रुख से अलग थे। कांग्रेस के सूत्रों ने यह भी कहा कि वे लोकसभा में उप नेता गौरव गोगोई को भी किसी एक टीम में शामिल करने के लिए कहेंगे।

सबक तो सिखा ही नहीं पाए, अब 40 सांसदों को भेजने से क्या हासिल होगा : उदित राज

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल हाल के भारत-पाकिस्तान तनाव पर विभिन्न देशों को जानकारी देने के लिए विश्व की राजधानियों का दौरा करने जा रहा है। इसको लेकर उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ है। कई अन्य देश भी पाकिस्तान का समर्थन कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि यह कितना सच है, लेकिन पाकिस्तान के पास जो परमाणु शक्ति है, वह भी अमेरिका की है। उन्होंने कहा कि शहबाज शरीफ की बातों का कोई खास

मतलब नहीं है। आईएसआई पाकिस्तान में सब कुछ नियंत्रित कर रही है। उदित राज ने आगे कहा कि मान लीजिए कि हमने पाकिस्तान में दो-चार जगहों पर बमबारी की, एक जगह से आतंकवादियों का सफाया कर दिया, लेकिन वहां अभी भी कई जगहों पर आतंकवादी मौजूद हैं। सबक तो सिखा ही नहीं पाए हम। दुनिया में कोई भी हमारा समर्थन नहीं कर रहा था। तो 40 सांसदों को भेजने से क्या हासिल होगा? उदित राज ने सपा सांसद राम गोपाल यादव की जातिगत भेदभाव पर की गई टिप्पणी का पुरजोर समर्थन किया है और कहा है कि उन्होंने खुद जाति-आधारित दुर्व्यवहार का अनुभव किया है।

भाजपा खुद के लोगों की सगी नहीं : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने बागी नेताओं को दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। अमेठी जिले के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए राजनैतिक पारा गरम कर दिया। भाजपा को घेरते हुए लिखा है कि निवेशकों से भाजपाई एजेंट एडवांस में कमीशन मांग रहे हैं। अधिकारी बदलने के बाद टेंडर भी रद्द किए जा रहे हैं।

सपा के बागी विधायक का नाम लिए बिना तंज कसने से भी नहीं चूके। इसी के साथ फल की दुकान पर खरबूजे के वजन का अंदाजा लगाने का उनका वीडियो भी सामने आया है। अखिलेश यादव ने फेसबुक पोस्ट में लिखा है कि अमेठी में भाजपा गुमशुदा हो गई है। सपा के बागी विधायक राकेश प्रताप सिंह व महराजी प्रजापति के बारे में लिखा है कि अमेठी के जिन लोगों ने पाला बदला है वह तीन वजहों से फिर कभी जीत नहीं पाएंगे। एक है एहसान फरामोशी, दूसरी है दगाबाजी, तीसरी वजह है कि वो उस दल में गए हैं, जो खुद के लोगों का सगा नहीं है। वहीं सपा के बागी विधायक राकेश

प्रताप सिंह ने कहा कि जहां राम व राष्ट्र का मामला आएगा वह वह हमेशा बागी रहेंगे। रामचरित मानस फड़वाने व जलवानों के लिए हमेशा बागी रहेंगे। भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाने वालों के लिए हमेशा बागी रहेंगे। 11 थानों में झगड़ा हो और उसका राष्ट्रीय अध्यक्ष फोन नहीं कर पाए अपने ही दायित्वों के निर्वहन के विषय में आदमी को सोचना चाहिए।

अमेठी से लौटते समय बाराबंकी में कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव का स्वागत किया। इस मौके पर सपा प्रमुख ने सभी को बूथ मजबूत बनाने में जुटने के लिए कहा। दो बुजुर्ग महिलाओं को एक-एक हजार रुपये दिए। कहा कि दादी मिठाई खाना। 2027 में सपा सरकार बनने जा रही है। हैदरगढ़ में ईदगाह के निकट स्वागत के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रनापुर गांव की रजकला व शिवरानी को एक-एक हजार रुपये दिए। कहा कि दादी मिठाई खाना। 2027 में सपा की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन करते हुए हर बूथ को मजबूत करने की सलाह दी। कहा कि सपा सरकार बनने पर हर वर्ग की समस्याओं का निदान होगा। महंगाई व बेरोजगारी दूर होगी। किसान और नौजवान सभी खुशहाल होंगे। इसके अलावा त्रिवेदीगंज में सपा अध्यक्ष एक धर्मकांटा पर कार्यकर्ताओं के बीच थोड़ी देर रुके। गर्मी होने के कारण चाय पीने से इंकार किया तो कार्यकर्ताओं ने उन्हें नारियल पानी उपलब्ध कराया। इस पर सपा प्रमुख ने नारियल पानी पीकर उसके फायदे भी गिनाए। यहां भी सपा प्रमुख ने कहा कि सभी लोग बूथ को मजबूत बनाने में जुट जाएं। 2027 में सपा सरकार बनानी है। हैदरगढ़ से 2027 में सपा का ही विधायक होगा। इस मौके पर पूर्व विधायक राम मगन रावत, विधान सभा क्षेत्र अध्यक्ष परशुराम यादव, महासचिव धर्मेंद्र वर्मा, रमेश चौधरी, राम बख्श, छोटकऊ सिंह, विवेक वर्मा, जतिन चौधरी, पंकज यादव, किरसन रावत, हरिशंकर तिवारी, गनेश व सौरभ आदि शामिल रहे।

कार्यकर्ता बूथ मजबूत बनाने में जुटें

नारियल पानी पीने दुकान पर पहुंचे सपा प्रमुख

एक वीडियो में वह नारियल पानी पीते भी दिख रहे हैं। सड़क किनारे ठेले पर नारियल पानी पीते हुए फेसबुक एकाउंट पर लिखा है कि छोटे दुकानदारों और कारोबारियों को बढ़ावा देकर ही ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी का सपना पूरा होगा।

भाजपा चित्रजीवी है

दलबदलुओं का क्या होगा। ऐसे लोगों ने अपनी राजनीतिक संभावनाओं पर खुद ही फुल स्टाप लगा दिया है। भाजपा चित्रजीवी है। बात यह नहीं होनी चाहिए कि फिर कभी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब देंगे, बल्कि जनता को यह भरोसा मिलना चाहिए कि फिर कभी हमला नहीं होगा।

सपा महिला सभा ने निकाला मार्च

मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की ओर से कर्नल सोफिया कुरैशी पर अपमानजनक बयान देने के मामले में सपा की महिला सभा की जिला/महानगर कार्यकारिणी ने कैसरबाग कार्यालय से शर्म करो मार्च परिवर्तन चौक तक निकाला। इस दौरान महिलाओं ने भाजपा मंत्री विजय शाह इस्तीफा दो, महिलाओं का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान के नारे लगाए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रेमलता यादव एवं महानगर अध्यक्ष मुन्नी पाल के नेतृत्व में आयोजित मार्च में मुख्य रूप से राष्ट्रीय प्रवक्ता नाहिद लारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला सभा नेहा यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष वंदना चतुर्वेदी, सुभांगी द्विवेदी, नसरीन एवं मीना यादव आदि उपस्थित रहीं।

जब सभी को समान अवसर, न्याय मिलता है तभी संविधान सफल होता है: सिद्धरमैया

» सीएम ने कहा, हमें विविधता में एकता देखनी चाहिए, हम सभी को साथ लेकर चलने का कर रहे हैं प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि जब सभी को समान अवसर और न्याय मिलता है तभी संविधान सफल होता है, इसीलिए उनकी सरकार सभी जातियों और धर्मों के गरीबों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए कई जनकल्याणकारी कार्यक्रम लागू किए गए हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने उल्लाल स्थित सैयद मदनी दरगाह के उर्स कार्यक्रम के दौरान एक सामाजिक सद्भाव सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद उसे संबोधित किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि तमाम आलोचनाओं के बावजूद उनकी सरकार गरीबों के उत्थान के लिए इन योजनाओं को जारी रखेगी। उन्होंने कहा, ''हमें विविधता में एकता देखनी चाहिए। हम सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रहे हैं। जब सभी

को समान अवसर और न्याय मिलता है तभी संविधान सफल होता है। सरकार इसी रास्ते पर चल रही है।'' इससे पहले मुख्यमंत्री ने दरगाह पर जियारत भी की।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर और उल्लाल के काजी कांथापुरम ए.पी. अबूबकर मुस्लियार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री कृष्णा बायरेगौड़ा, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव, शहरी विकास मंत्री बी. सुरेश, पौर प्रशासन मंत्री रहीम खान, मंजेश्वर विधायक ए.के.एम. अशरफ एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सी.एम. इब्राहिम सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जब सीएम को ही मिल रही धमकी तो आम आदमी का क्या हाल होगा: गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वरिष्ठ आईएस अधिकारी नीरज के पवन को मिली जान से मारने की धमकी को लेकर राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे प्रदेशवासियों के लिए 'बेहद गंभीर चिंता का विषय' बताया।

गहलोत ने लिखा कि मुख्यमंत्री जी को तीसरी बार ऐसी धमकी दी गई है। अब आमजन को चिंता सता रही है कि जब मुख्यमंत्री जी को ही इस तरह धमकी दी जा रही है, तो आम आदमी की सुरक्षा का क्या होगा? पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य में बढ़ते अपराधों को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल से हत्या, लूट, रेप, चोरी समेत तमाम अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं और सरकार का ध्यान केवल अपराध के आंकड़े कम कर दिखाने में ही है।

हरियाणा के ओपी चौटाला परिवार में टकराव

गद्दार नहीं लगा सकते ओपी का फोटो : अभय चौटाला

» अजय बोले- हर पोस्टर पर लगाएंगे पिता का फोटो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के बेटे अजय सिंह चौटाला व अभय चौटाला एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। ओमप्रकाश चौटाला के निधन के बाद यह पहला मौका है, जब दोनों के बीच टकराव पैदा हो गया है। इसकी शुरुआत जजपा के प्रदेश कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर पार्टी सुप्रीमो व पूर्व सांसद अजय सिंह चौटाला के एक एलान से हुई।

पार्टी ने एलान किया कि वह अपने सभी पोस्टरों में पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला का फोटो लगाएगी। जजपा सुप्रीमो अजय चौटाला ने कहा कि अब जजपा के पोस्टर पर ओमप्रकाश चौटाला की तस्वीर होगी। अजय ने कहा- हम सभी ने ओमप्रकाश चौटाला से राजनीति सीखी है। वे हम सभी

के आदर्श हैं। इसलिए जजपा के सभी पोस्टरों पर चौटाला साहब की तस्वीर लगाई जाएगी। बैठक में पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला सहित पार्टी के अधिकांश वरिष्ठ नेता व जिलाध्यक्ष व जिला प्रभारी मौजूद रहे। इसके बाद इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कहा कि चौटाला साहब कह कर गए थे कि ये पार्टी के गद्दार हैं। गद्दार कैसे चौटाला साहब का फोटो लगा सकते हैं। यदि उन्होंने ऐसा किया तो इसका इलाज भी मेरे पास है।

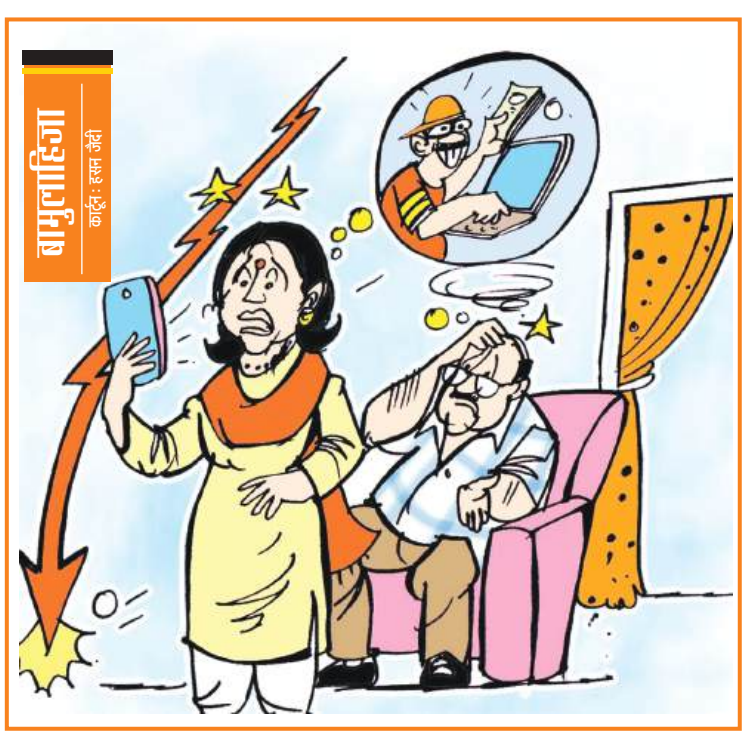

बंगाल में भाजपा को लगा बड़ा झटका

» मोदी सरकार में मंत्री रहे जॉन बारला टीएमसी में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पूर्व भाजपा नेता और नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री रहे जॉन बारला पार्टी से असंतुष्ट होने की अटकलों के बाद, पश्चिम बंगाल में आधिकारिक रूप से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गए हैं। उनके जाने को पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिए एक झटका माना जा रहा है। यह तब हुआ तब राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। बारला एक महत्वपूर्ण आदिवासी नेता हैं और चाय बागानों और आदिवासी इलाकों में उनका प्रभाव है।

बारला ने वर्तमान विपक्षी नेता सुवेंदु अधिकारी द्वारा बाधा उत्पन्न किए जाने पर निराशा व्यक्त की। बारला का टीएमसी में स्वागत नेता सुब्रत बक्शी और अरूप बिस्वास ने किया तथा अपने समुदाय के लिए काम करने का अवसर देने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब मैं भाजपा में था, तो मुझे आदिवासी लोगों के विकास के लिए काम करने की इजाजत नहीं थी।

अखिलेश की बीजेपी को खुली चेतावनी

'चुनावी धांधली को जाति जनगणना से दूर रखे'

- सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम : अखिलेश
- कहा- ईमानदारी से होनी चाहिए जनगणना
- यह इंडिया गठबंधन और पीडीए की एकजुटता की जीत है : सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार के जातीय जनगणना के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और उन्होंने इसे सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम करार देते हुए भारतीय जनता पार्टी को कठोर चेतावनी दी है। अखिलेश ने इस फैसले को इंडिया गठबंधन और पीडीए की एकजुटता की जीत बताया, साथ ही बीजेपी पर दबाव में यह निर्णय लेने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा कि जाति जनगणना का फैसला 90 फीसदी पीडीए की एकजुटता की 100 फीसदी जीत है। हम सबके सम्मिलित दबाव से बीजेपी सरकार मजबूरन ये निर्णय लेने को बाध्य हुई है। सामाजिक न्याय की लड़ाई में ये पीडीए की जीत का एक अतिमहत्वपूर्ण चरण है।

केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की कि आगामी जनगणना में जातिगत आंकड़े भी शामिल किए जाएंगे। यह फैसला लंबे समय से विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन की मांग थी। अखिलेश यादव ने इस फैसले को सामाजिक न्याय की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया और उन्होंने कहा कि यह जनगणना न केवल समाज के विभिन्न वर्गों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में हक और अधिकार दिलाएगी बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगी कि अब तक वर्चस्ववादी ताकतों द्वारा दबाए गए समुदायों को उनका उचित स्थान मिले।

वहीं उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि एक ईमानदार जनगणना ही हर जाति को अपनी-अपनी जनसंख्या के अनुपात में अपना वो अधिकार और हक दिलवाएगी जिस पर अब तक वर्चस्ववादी फन मारकर बैठे थे आपको बता दें कि अखिलेश यादव का यह बयान न केवल बीजेपी की नीतियों पर हमला है, साथ ही यह भी बताता है कि अखिलेश यादव सामाजिक न्याय के मुद्दे को अपनी राजनीतिक रणनीति का केंद्र बनाए हुए हैं। वहीं अखिलेश यादव ने बीजेपी को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वह अपनी चुनावी धांधली की रणनीति को जातीय जनगणना से दूर रखे और उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने यह फैसला इंडिया गठबंधन और पीडीए के लगातार दबाव के कारण लिया है, न कि अपनी इच्छा से। बीजेपी की प्रभुत्ववादी सोच का अंत होकर ही रहेगा। संविधान के आगे मनुविधान लंबे समय तक चल भी नहीं सकता और उन्होंने कहा कि यह बयान बीजेपी की नीतियों को नकारात्मक और विभाजनकारी करार देने का प्रयास है।

वहीं उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी ने हमेशा सामाजिक न्याय के मुद्दों को दरकिनार करने की कोशिश की है। अखिलेश ने दावा किया कि बीजेपी की नकारात्मक राजनीति अब अपने अंतिम चरण में है और यह फैसला उनके दबाव का परिणाम है और यह अधिकारों के सकारात्मक लोकतांत्रिक आंदोलन का पहला चरण है। अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति का केंद्र बिंदु रहा है पीडीए। जिसे वे पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों का गठजोड़ बताते हैं और उन्होंने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि पीडीए की एकजुटता ही भविष्य की राजनीति की दिशा तय करेगी। इस बार भी उन्होंने जातीय जनगणना के फैसले को 90 फीसदी पीडीए की एकजुटता की 100 फीसदी जीत करार दिया। यह बयान न केवल उनके समर्थकों को उत्साहित करने का प्रयास है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि वे इस मुद्दे को 2027 के विधानसभा चुनावों में एक प्रमुख हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बना रहे हैं।

दशकों से चर्चा में रहा है जातीय जनगणना

भारत में जातीय जनगणना का मुद्दा दशकों से चर्चा में रहा है। 1951 के बाद से केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की गणना की जाती रही है। 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना कराई गई थी, लेकिन इसके आंकड़े पूरी तरह से सार्वजनिक नहीं किए गए। अखिलेश और अन्य विपक्षी नेता लंबे समय से पूर्ण जातीय जनगणना की मांग कर रहे थे, ताकि सामाजिक और आर्थिक नीतियों को अधिक समावेशी बनाया जा सके। जातीय जनगणना का महत्व इस बात में निहित है कि यह विभिन्न समुदायों की जनसंख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को स्पष्ट कर सकती है। इससे सरकार को आरक्षण, शिक्षा और रोजगार जैसे क्षेत्रों में लक्षित नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। अखिलेश ने कहा कि जब लोगों को यह मालूम पड़ता है कि वो गिनती में कितने हैं, तब उनके बीच एक आत्मविश्वास भी जागता है जिससे उनकी एकता बढ़ती है।

पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से हो जनगणना

आपको बता दें कि कांग्रेस ने भी इस फैसले का स्वागत किया है, लेकिन साथ ही यह मांग की है कि जनगणना पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से हो। कांग्रेस ने कहा कि जातिगत जनगणना के अभाव में सार्थक सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण कार्यक्रमों का क्रियान्वयन अधूरा है। बता दें कि बीजेपी इस मुद्दे पर बचाव की मुद्रा में है। उत्तर प्रदेश में ओबीसी और दलित वोटरों की बड़ी संख्या को देखते हुए बीजेपी इस मुद्दे को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर सकती है। हालांकि अखिलेश की आक्रामक रणनीति और पीडीए के नारे ने बीजेपी के लिए चुनौतियां बढ़ा दी हैं।

यह फैसला विपक्ष के प्रयासों का परिणाम है : सपा प्रमुख

समाजवादी पार्टी के समर्थकों और नेताओं ने भी अखिलेश के इस बयान का स्वागत किया है। सपा के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया गया कि यह सिर्फ एक नीति निर्णय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में पीडीए ने बीजेपी को झुकने पर मजबूर किया, वहीं अखिलेश ने इस फैसले को इंडिया गठबंधन की जीत बताया। जो दिखाता है कि वे इस मुद्दे पर विपक्षी एकता को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन, जिसमें कांग्रेस, सपा और अन्य विपक्षी दल शामिल हैं। लंबे समय से जातीय जनगणना की मांग की थी। अखिलेश ने कहा कि यह फैसला विपक्ष के प्रयासों का परिणाम है, जिसने बीजेपी को इस मुद्दे पर पीछे हटने के लिए मजबूर किया।

उत्तर प्रदेश की राजनीति को नया रंग दे सकता है यह मुद्दा

अखिलेश यादव का यह 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए एक रणनीतिक रोडमैप है। पीडीए के नारे और जातीय जनगणना के मुद्दे को केंद्र में रखकर वे बीजेपी को सामाजिक न्याय के मुद्दे पर घेरने की कोशिश कर रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में सपा ने उत्तर प्रदेश में 37 सीटें जीतकर बीजेपी को कड़ी टक्कर दी थी और अब अखिलेश इस गति को बनाए रखना चाहते हैं। वहीं उन्होंने हाल के उपचुनावों में भी पीडीए की रणनीति को अपनाया था, हालांकि नतीजे उनकी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहे। फिर भी अखिलेश ने हार नहीं मानी और अब जातीय जनगणना को एक बड़े मुद्दे के रूप में उभार रहे है। उनके समर्थकों का मानना है कि यह मुद्दा उत्तर प्रदेश की राजनीति को नया रंग दे सकता है। आपको बता दें कि अखिलेश यादव की तीखी प्रतिक्रिया और बीजेपी को दी गई चेतावनी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ ला दिया है। जातीय जनगणना का फैसला न केवल सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है बल्कि यह भी दर्शाता है कि विपक्षी दलों का दबाव अब बीजेपी को नीतिगत फैसले लेने के लिए मजबूर कर रहा है। बता दें कि अखिलेश की रणनीति और पीडीए का नारा कितना प्रभावी होगा, यह तो आने वाला समय तय करेगा। लेकिन फिलहाल यह साफ है कि उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय की जंग अब और तेज हो गई है।

जाति जनगणना पर धोखा दे सकती है सरकार: चंद्रशेखर

हाल ही में केंद्र सरकार ने जाति आधारित जनगणना कराने का फैसला लिया है। जिसने देश की राजनीति और सामाजिक संवाद में एक नई बहस को जन्म दिया है। इस फैसले पर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है और उन्होंने न केवल इस निर्णय का स्वागत किया बल्कि सरकार की मंशा पर सवाल उठाए और जाति जनगणना की आवश्यकता को रेखांकित किया। बता दें कि चंद्रशेखर आजाद ने केंद्र सरकार के इस फैसले का स्वागत तो किया लेकिन साथ ही बीजेपी की मंशा पर सवाल उठाए और उन्होंने कहा कि यह फैसला उनकी और उनकी पार्टी के निरंतर संघर्ष का परिणाम है लेकिन सरकार की नीयत पर संदेह बना हुआ है। चंद्रशेखर का मानना है कि बीजेपी ने यह निर्णय राजनीतिक दबाव और आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर लिया हो सकता है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह सामाजिक न्याय के मुद्दों पर हमेशा दोहरा रवैया अपनाती रही है बीजेपी के लिए जाति जनगणना एक जटिल मुद्दा रहा है। एक ओर पार्टी अपने ओबीसी और दलित वोट बैंक को मजबूत करना चाहती है। वहीं दूसरी ओर उसे अपने परंपरागत ऊपरी जाति के समर्थकों के बीच असंतोष का डर है। बिहार में जातिगत

जनगणना के बाद बीजेपी ने वहां के आंकड़ों को दोषपूर्ण और राजनीति से प्रेरित करार दिया था। चंद्रशेखर ने इस दोहरे रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि बीजेपी को अगर वास्तव में सामाजिक न्याय की चिंता होती तो वह इस मुद्दे पर पहले ही कदम उठा चुकी होती। चंद्रशेखर आजाद ने अपनी प्रतिक्रिया में जाति जनगणना को जातिवाद की बीमारी का संपूर्ण इलाज करार दिया। उनके अनुसार यह जनगणना न केवल सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को उजागर करेगी, बल्कि नीति निर्माण में भी मदद करेगी। भारत जैसे देश में जहां जाति सामाजिक और आर्थिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जाति आधारित डेटा नीतियों को अधिक समावेशी बनाने में सहायक हो सकता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

राष्ट्रपति के सवालों से मिलेगा जवाब!

“ याद दिला दें कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ था, जो अब भी विभागीय शीत युद्ध के रूप में जारी है। इसी का परिणाम है कि अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और साफ साफ कहा है कि जब देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो फिर सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है।

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में स्पष्ट कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। अब चूकि इस मामले में संविधान पीठ कोई फैसला लेगी आने वाले समय पता चलेगा की टकराव का हल क्या निकलता है। भारत में विधायिका-कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका का टकराव अब कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा विधेयक पर फैसला लेने की समयसीमा तय किए जाने पर पहले तो उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई गई, वहीं अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कतिपय महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जिनका जवाब सर्वोच्च न्यायालय को देना चाहिए। बता दें कि समयसीमा तय किए जाने पर राष्ट्रपति ने सवाल उठाते हुए दो टूक शब्दों में कहा है कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है!

इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि जब कोई प्रावधान ही नहीं है तब इतना बड़ा न्यायिक अतिरेक कैसे सामने आया जिससे भारत की कार्यपालिका और विधायिका में भूचाल आ गया। याद दिला दें कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ था, जो अब भी विभागीय शीत युद्ध के रूप में जारी है। इसी का परिणाम है कि अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और साफ साफ कहा है कि जब देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो फिर सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में स्पष्ट कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। वहीं यदि विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा था कि अनुछेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा। यही वजह है कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे 14 सवाल पूछे हैं। उम्मीद की जाए कि राष्ट्रपति के सवाल का जवाब मिलेगा और आने वाले समय में विवाद भी नहीं होंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आतंकवाद के खिलाफ बदलाव की निर्णायक नीति

के.एस. तोमर

मोदी के भाषणों का गहन विश्लेषण दर्शाता है कि उनका डॉक्ट्रिन केवल शब्दों तक सीमित नहीं है—यह अडिग संकल्प के साथ लागू किया गया है। भारत द्वारा नौ आतंकवादी शिविरों का खात्मा और पाकिस्तान के ग्यारह एयर बेसों को नष्ट करना इस नई नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। संदेश स्पष्ट है कि चरमपंथियों को, चाहे वे पाकिस्तान सेना द्वारा शरण प्राप्त करें या स्वतंत्र रूप से कार्य करें, राज्य कर्ताधर्ता के रूप में माना जाएगा और दोनों को प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा। मोदी ने इस डॉक्ट्रिन का उपयोग एक व्यापक वैश्विक संदेश देने के लिए भी किया है—पाकिस्तान की आतंकवादी नीति केवल भारत की समस्या नहीं है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि इस्लामाबाद का आतंकवादी नेटवर्क पश्चिमी शक्तियों को भी निशाना बना चुका है। संयुक्त राज्य अमेरिका पर हुए 9/11 के हमले और लंदन मेट्रो में हुए घातक बम विस्फोटों के तार पाकिस्तान में प्रशिक्षित आतंकवादियों से जुड़े हुए हैं। मोदी के अनुसार, पाकिस्तान में राज्य और आतंकवाद एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, जिससे यह देश अपने प्रॉक्सी युद्ध के कृत्यों में सम्मिलित हो जाता है।

घरेलू स्तर पर, मोदी डॉक्ट्रिन की सफलता 2029 के लोकसभा चुनावों और आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में बीजेपी की संभावना को बढ़ा सकती है। आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ रुख 2019 पुलवामा हमले के बाद की सर्जिकल स्ट्राइक जैसे राष्ट्रवादी भावनाओं को सशक्त बना सकता है, जो चुनावी गति में एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकता है। मोदी सरकार की निर्णायक कार्रवाइयां प्रभावी रूप से चुनावी अभियानों में इस्तेमाल की गई हैं, मोदी को एक मजबूत नेता के रूप में प्रस्तुत किया गया है जो भारत की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। विपक्षी दलों के लिए इस विमर्श को नकारने में मुश्किल हो सकती है, क्योंकि वे राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में अक्सर रक्षात्मक नजर आते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह डॉक्ट्रिन इतिहास में एक परिवर्तनकारी नीति के रूप में अंकित होगा, जिसने पाकिस्तान की आतंकवाद-प्रेरित गतिविधियों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को निर्णायक रूप से फिर से परिभाषित किया।

दशकों तक, सीमा पार आतंकवाद को कूटनीतिक आदान-प्रदान और तपे-तुले उत्तरों के साथ निपटा गया था। लेकिन मोदी के नेतृत्व में, भारत ने यह

घोषणा की है कि आतंकवादी हमलों को अब युद्ध की कार्रवाई के रूप में माना जाएगा—जिसमें सबसे कड़ा दंड, सीमा पार हमलों और आतंकवादियों और उनके संरक्षकों के खिलाफ प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया शामिल होगी। मोदी डॉक्ट्रिन का एक और प्रमुख पहलू पाकिस्तान द्वारा प्रचारित परमाणु युद्ध के खतरे को नष्ट करना है। इस्लामाबाद की आदत बन चुकी परमाणु कूटनीति अब प्रभावहीन हो गई है, क्योंकि भारत ने यह प्रदर्शित कर दिया है कि वह परमाणु डर को दरकिनार करते हुए निर्णायक प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार है। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक इस बदलते दृष्टिकोण का जीवित प्रमाण हैं। भारत की सीमा पार जाकर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने की तत्परता न केवल भारत की सुरक्षा को सुनिश्चित रखती है, बल्कि इसने एक शक्तिशाली वैश्विक संदेश भी दिया है। इसने यह प्रदर्शित किया कि राष्ट्रों के पास आतंकवाद की जड़ें नष्ट करने का संप्रभु अधिकार है, यदि कोई और विकल्प न हो, और यह सिद्धांत अमेरिका, इस्राइल जैसे अन्य देशों के लिए भी प्रासंगिक है जो समान खतरों का सामना कर रहे हैं। यह डॉक्ट्रिन केवल भारत की सुरक्षा रणनीति नहीं है—इसने एक वैश्विक दृष्टिकोण स्थापित किया है, जिससे अन्य राष्ट्रों को सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ सक्रिय रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया है। यह डॉक्ट्रिन भारत की स्वदेशी और रूसी एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों की श्रेष्ठता पर आधारित है, जो पाकिस्तान द्वारा तैनात चीनी हथियारों और रडार प्रणालियों से अधिक प्रभावी हैं। यह तकनीकी बढ़त भारत के रणनीतिक आत्मविश्वास को बढ़ाती है और सीमा पार खतरों से निपटने में मदद करती है।

राफेल लड़ाकू विमान की खरीद, उन्नत मिसाइल प्रणालियों का समावेश और सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण इस डॉक्ट्रिन को मजबूत करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी प्रतिकारात्मक हमला तकनीकी श्रेष्ठता से समर्थित हो। मोदी डॉक्ट्रिन ने भारत को एक प्रतिक्रियाशील राज्य से एक सक्रिय शक्ति में बदल दिया है, जो अपनी संप्रभुता की रक्षा करने के लिए सभी आवश्यक उपायों को अपनाने के लिए तैयार है। इसने भारत की छवि को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है, जिसके पास न केवल सैन्य क्षमता है बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति भी है अपने हितों की रक्षा करने की। इस डॉक्ट्रिन का अध्ययन वैश्विक थिंक टैंकों द्वारा किया गया है और कई देशों ने इसे अपनी सुरक्षा रणनीतियों में प्रासंगिक पाया है।

सबक सिखाने को जरूरी आयात नियंत्रण के उपाय

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर चीन पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई दिया। चीन ने न केवल पाकिस्तान को पूर्ण समर्थन दिया, बल्कि उसे मिसाइलों सहित विभिन्न हथियारों की आपूर्ति भी की। हालांकि चीन निर्मित जिन हथियारों का पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ प्रयोग किया, वे पराक्रमी भारतीय सेना और प्रभावी सैन्य व्यवस्था को हानि पहुंचाने में नाकाम रहे। दरअसल, चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत को आर्थिक शक्ति बनने से रोकना चाहता है। ऐसे में अब भारत द्वारा पाकिस्तान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंधों के साथ ही चीन से बढ़ते आयात को नियंत्रित करके उसे भी आर्थिक सबक दिया जाना जरूरी है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे में है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था।

चिंताजनक यह कि चीन से 2024-25 में आयात 11.52 प्रतिशत बढ़कर 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा बीते वित्त वर्ष में करीब 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका कोई विशेष असर नहीं दिखा। अब पाकिस्तान को खुला समर्थन दे रहे चीन के साथ कोई छह माह पूर्व भारत ने मित्रता की जिस राह को आगे बढ़ाया था, उसे रोककर चीन के साथ कारोबार असंतुलन कम करने को कदम उठाने जरूरी हैं। गौरतलब है कि पिछले वर्ष 31 अक्तूबर को दीपावली के दिन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत-चीन के सैनिकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई थी।

इसका कारण था कि पिछले वर्ष 23 अक्तूबर को रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सफल द्विपक्षीय वार्ता हुई जिसमें दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया था। दोनों नेताओं ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध हल करने के लिए समझौते का स्वागत किया और अधिकारियों को लद्दाख में सीमा विवाद सुलझाने के लिए बातचीत जारी रखने के निर्देश दिए। इस वार्ता के बाद सैन्य स्तर पर क्रियान्वयन के साथ डेमचोक और डेपसांग क्षेत्रों में टकराव बिंदुओं से सैनिकों की वापसी के बाद से लगातार पेट्रोलिंग हो रही है। यद्यपि चीन से नए सैन्य समझौते के बाद भारत को वहां से ज्यादा आयात से बचने के लिए सावधानी बरतना जरूरी लग रहा था, लेकिन भारत ऐसा नहीं कर पाया व चीन से आयात बढ़ते गए। कोई दो मत नहीं कि चीन पाकिस्तान को आतंकी प्रोत्साहन देते हुए भारत की तेजी से बढ़ती आर्थिकी की राह में बाधक बनना चाहता है। चीन जानता है कि भारत अपनी बढ़ती आर्थिक साख व तेजी से इसी वर्ष 2025 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिकी बनते हुए दिखाई देगा! हाल ही में प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

इसी वर्ष 2025 के अंत तक भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। उस समय देश का जीडीपी बढ़कर 4.187 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा और यह जापान के जीडीपी 4.186 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि विकास की ऊंची दर से भारत का जीडीपी 2028 में बढ़कर 5.584 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसी तरह हाल ही में वैश्विक रेटिंग एजेंसी मॉर्निंग स्टार डीबीआरएस ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को निम्नतम निवेश ग्रेड 'बीबीबी (कम)' से एक पायदान ऊपर उठाकर 'बीबीबी' कर दिया है। रेटिंग प्रवृत्ति को भी 'सकारात्मक' से 'स्थिर' कर दिया गया है। इस रेटिंग एजेंसी ने उन्नयन के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश और डिजिटलीकरण, राजकोषीय समेकन, व्यापक आर्थिक स्थिरता के साथ सतत उच्च विकास और लचीली बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से देश के संरचनात्मक सुधारों का हवाला दिया है। दुनिया के उभरते हुए देशों में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है।

बीती अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.09 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया, जो किसी माह अभी तक का सर्वाधिक राजस्व है। पिछले वर्ष 2024-25 में जीएसटी और इनकम टैक्स संग्रह रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहा। निश्चित रूप से भारत को आर्थिक रूप से आगे बढ़ने से रोकने और शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहे चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार को कारगर प्रयास करने होंगे। कोई दो मत नहीं कि पिछले एक दशक से स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करके चीन से आयात घटाने के प्रयास हुए। वर्ष 2019 और 2020 में चीन की भारत के प्रति आक्रामक और विस्तारवादी नीति सामने आई, तो स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर देश में बढ़ती दिखाई दी। वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया। अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। चीन के लिए भारत के विशाल बाजार में आयातों में कमी आर्थिक प्रहार के रूप में दिखाई देगी और इससे स्वदेशी उद्योग तथा एमएसएमई लाभान्वित होंगे।

फल और सूखे मेवे

शरीर को बेहतर ढंग से काम करने में मदद करने के लिए फल से कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। फल की वजह से ही शरीर की इम्यूनिटी बढ़ती है और हमारी कोशिकाओं को मरम्मत करने का मौका मिलता है। हालांकि बहुत कम ही लोग ऐसे होंगे, जिन्होंने रोजाना एक फल खाने के बारे में सोचा होगा। जैसे सेब, केला, संतरा, पपीता, अनार, और ब्लूबेरी व स्ट्रॉबेरी) शरीर को जरूरी विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट देते हैं। सूखे मेवे, जिन्हें सूखे फल भी कहा जाता है, पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं? वे लगभग ताजे फलों जितने ही पौष्टिक हैं! ऐसा इसलिए है क्योंकि पके फल को सुखाने से उसकी सुगंध और स्वाद तेज हो जाता है, जिससे वह अधिक स्वादिष्ट हो जाता है। क्योंकि बादाम, अखरोट, अंजीर और किशमिश दिमाग और हृदय के लिए फायदेमंद होते हैं।

बुजुर्गों के लिए बनाएं ये डाइट प्लान

उम्र बढ़ने के साथ ही शरीर की पोषण संबंधी जरूरतें बदलने लगती हैं। बढ़ती उम्र के लोगों को अधिक पोषण की आवश्यकता होती है क्योंकि जैसे-जैसे आयु बढ़ती है, शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और हृदय रोग, मधुमेह व ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अधिकतर मामलों में ये समस्या 50 की आयु के बाद देखने को मिलती है। इन सभी समस्याओं से बचाव के लिए सही खानपान बहुत जरूरी हो जाता है। पौष्टिक खान-पान अपनाकर न केवल बीमारियों से बच सकते हैं, बल्कि ऊर्जावान, फिट और खुशहाल जीवन जी सकते हैं। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से शरीर को मजबूत और सक्रिय रखा जा सकता है। ऐसे में एगर आप 50 साल की आयु या उससे अधिक उम्र के हैं तो स्वस्थ और ऊर्जावान रहने के लिए डाइट में कुछ जरूरी बदलाव लाएं।

प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी

इस उम्र में मांसपेशियों की मजबूती बनाए रखने के लिए प्रोटीन का सेवन जरूरी है। दालें, सोया, पनीर, अंडे, मछली, चिकन और ड्राई फरूट्स प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं। इस उम्र में हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, जिसे मजबूत बनाए रखने के लिए दूध, दही, पनीर, तिल, और बादाम का सेवन करें। धूप में बैठना और विटामिन डी से भरपूर चीजें खाना चाहिए।

हरी पत्तेदार सब्जियां

खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल करनी चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां स्वस्थ आहार के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनमें विटामिन, खनिज और फाइबर अधिक होते हैं जबकि कैलोरी भी कम होती है। पत्तेदार साग से भरपूर आहार मोटापे , हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और संज्ञानात्मक कठिनाइयों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। गहरे हरे पत्तेदार सब्जियों में पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। अपने सलाद में केल और पालक जैसी हरी सब्जियां खाना एक अच्छा विचार है क्योंकि ये आपके लिए अच्छी होती हैं। कैरोटीनॉयड, जो एंटीऑक्सिडेंट हैं जो कोशिकाओं की रक्षा करते हैं और प्रारंभिक अवस्था में कैंसर को रोकने में मदद करते हैं, इन हरी पत्तेदार सब्जियों में प्रचुर मात्रा में होते हैं। इन यौगिकों में एंटीऑक्सिडेंट और सूजन-रोधी गुण होते हैं, जिससे हड्डियां मजबूत रहती हैं और पाचन तंत्र सही रहता है।

फाइबर युक्त आहार

पाचन तंत्र को मजबूत करने के लिए दलिया, ओट्स, ब्राउन राइस, साबुत अनाज और फलियों का सेवन करें। फाइबर शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कम करने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

क्या न खाएं?

अधिक आयु के लोगों को ज्यादा नमक का सेवन नहीं करना चाहिए, इससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। वहीं अधिक चीनी का सेवन डायबिटीज और मोटापे का कारण बन सकता है। इस उम्र के लोग प्रोसेस्ड और जंक फूड से परहेज करें। पैकेज्ड फूड, फ्राइड फूड और फास्ट फूड से बचें क्योंकि इनमें अधिक नमक, चीनी और अनहेल्दी फैट होता है। उम्र बढ़ने के साथ कैफीन और एल्कोहॉल से दूरी बना लेनी चाहिए क्योंकि चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स का अधिक सेवन डिहाइड्रेशन और अनिद्रा का कारण बन सकता है। एल्कोहॉल हृदय और लीवर के लिए हानिकारक होता है। अत्यधिक तेल और मसालेदार भोजन बुजुर्गों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ज्यादा तला-भुना और मसालेदार भोजन पाचन संबंधी समस्याएं और एसिडिटी पैदा कर सकता है। आटा और सफेद चावल जल्दी ब्लड शुगर बढ़ाते हैं, इसलिए इनकी जगह साबुत अनाज और ब्राउन राइस का सेवन करें।

हंसना मना है

कुछ दोस्त ऐसे हैं जो घर से बीवी की लात खाकर आते हैं और दोस्तों से कहते फिरते हैं, आज तो मैं लेग पीस खाकर आया हूं।

डेट पर लड़के ने लड़की से कहा, जानू, एक बात कहना चाहता हूं! लड़की: क्या? लड़का: मेरी पहले से एक गर्लफ्रेंड है! लड़की: डरा दिया, मुझे लगा कि पैसा नहीं है!

पति: अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नी (गुस्से में): मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पति: फिर रोने दे। मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

महिला: पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शांति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी: मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

एक पार्टी में लड़की: सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज हटा देंगे! लड़का: हां हां क्यों नहीं, क्या चीज हटानी है? लड़की: अपनी कुत्ते जैसी नजर!

कहानी | तितली-का-संघर्ष

एक आदमी को अपने गार्डेन में किसी टहनी से लटकता हुआ एक तितली का कोकून दिखाई पड़ा। अब रोज आदमी उसे देखने लगा और एक दिन उसने नोटिस किया कि उस कोकून में एक छोटा सा छेद बन गया है। उस दिन वो वहीं बैठ गया और घंटो उसे देखता रहा। उसने देखा की तितली उस खोल से बाहर निकलने की बहुत कोशिश कर रही है पर बहुत देर तक प्रयास करने के बाद भी वो उस छेद से नहीं निकल पायी और फिर वो बिलकुल शांत हो गयी मानो उसने हार मान ली हो। इसलिए उस आदमी ने एक कैंची उठायी और कोकून की ओपनिंग को इतना बड़ा कर दिया की वो तितली आसानी से बाहर निकल सके और यही हुआ, तितली बिना किसी और संघर्ष के आसानी से बाहर निकल आई, पर उसका शरीर सूजा हुआ था और पंख सूखे हुए थे। वो आदमी तितली को ये सोच कर देखता रहा कि वो किसी भी वक्त अपने पंख फैला कर उड़ने लगेगी, पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। इसके उलट बेचारी तितली कभी उड़ ही नहीं पाई और उसे अपनी बाकी की ज़िन्दगी इधर-उधर घिसटते हुए बीतानी पड़ी। वो आदमी अपनी दया और जल्दबाजी में ये नहीं समझ पाया की दरअसल कोकून से निकलने की प्रक्रिया को प्रकृति ने इतना कठिन इसलिए बनाया है ताकि ऐसा करने से तितली के शरीर में मौजूद तरल उसके पंखों में पहुंच सके और वो छेद से बाहर निकलते ही उड़ सके। वास्तव में कभी-कभी हमारे जीवन में संघर्ष ही वो चीज होती जिसकी हमें सचमुच आवश्यकता होती है। यदि हम बिना किसी स्ट्रगल के सब कुछ पाने लगे तो हम भी एक अपंग के सामान हो जायेंगे। बिना परिश्रम और संघर्ष के हम कभी उतने मजबूत नहीं बन सकते जितना हमारी क्षमता है। इसलिए जीवन में आने वाले कठिन पलों को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखिये वो आपको कुछ ऐसा सीखा जायंगे जो आपकी ज़िन्दगी की उड़ान को पॉसिबिल बना पायेंगे।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें।

वृषभ

कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मिथुन

धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

सिंह

कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या

रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

धनु

जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रमाद न करें।

मकर

किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मीन

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

अभी भी बालीवुड में बहुत से ऐसे कमरे हैं जहां मेरी पहुंच नहीं है : हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी ने बॉलीवुड में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर खुलकर अपनी बात रखी है। हुमा ने चुनौतियों के बावजूद अपने करियर को अपनी शर्तों पर आगे बढ़ाने के अपने फैसले पर जोर दिया है। उन्होंने बताया कि बॉलीवुड में हमेशा से एक गेटकीपिंग रही है, और यह किसी एक व्यक्ति या एजेंसी से नहीं आती। यह गेटकीपिंग सामूहिक रूप है। हुमा ने कहा बॉलीवुड में एक बाहरी और एक महिला के तौर पर मेरा करियर बहुत आसान नहीं रहा है। आज के दिन भी कई कमरे हैं, जहां तक मेरी पहुंच नहीं है। कई रोल्स हैं जो मैं निभा सकती हूं लेकिन लोग मुझे नहीं बुलाते। तो मैं क्या करती हूं? क्या मैं घर पर बैठ कर रोती हूं और ये कहती हूं कि मुझे मौका नहीं मिला? क्या मैं इसका रोना रोती हूं? हुमा कुरैशी ने एक कास्टिंग डायरेक्टर से जुड़ी घटना का जिक्र किया जिसने उन्हें बड़ी महिलाओं के किरदार निभाने से मना किया औ इसके बजाए युवा किरदार निभाने का आग्रह किया। हुमा कुरैशी ने बताया महारानी और तरला की कामयाबी के बाद, एक कास्टिंग डायरेक्टर ने मुझे फोन करके कहा आप बहुत खूबसूरत महिला हैं। आप इन किरदारों को निभाकर खुद को बूढ़ा क्यों दिखा रही हो? ऐसे बहुत से दूसरे निर्माता हैं जो आपके साथ काम करना चाहते हैं। कम उम्र के किरदार निभाने की कोशिश करें। हुमा ने आगे कहा मैंने सोचा कम उम्र के किरदार निभाने का बोझ हमेशा लड़कियों पर ही क्यों पड़ता है? हमसे क्यों उम्मीद क्यों की जाती है कि हम अपनी उम्र से कम उम्र की दिखने की कोशिश करें? हुमा ने आगे कहा मैंने पेड़ों के पास नाचने गाने का अपना काम किया है, लेकिन अगर कोई बढ़िया स्क्रिप्ट मेरे पास आती है, तो क्या मुझे सिर्फ इसलिए मना कर देना चाहिए क्योंकि मैं अपने से कुछ साल बड़े किसी किरदार को निभाने से डरती हूं?

लव गेम्स फिल्म जैसी बोल्ड भूमिका दोबारा नहीं निभाएंगी पत्रलेखा

पत्रलेखा ने अपने सिनेमाई करियर की शुरुआत सिटीलाइट्स फिल्म से की थी, जिसमें उनके साथ राजकुमार राव मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद अभिनेत्री ने साल 2016 में विक्रम भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म लव गेम्स में काम किया, जिसमें उन्होंने बोल्ड सीन किए थे। अब पत्रलेखा ने फिल्म में बोल्ड सीन करने को लेकर एक खुलासा किया है। साथ ही कहा कि वह अब बदल गई हैं। हाल ही में अभिनेत्री पत्रलेखा बॉलीवुड बबल के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं। इस दौरान एक्ट्रेस से सवाल किया गया कि क्या वह फिर से लव गेम्स फिल्म जैसी बोल्ड भूमिका निभाएंगी। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा, नहीं, मैं इसे फिर से नहीं करूंगी। 10 साल पहले की पत्रलेखा एक बहुत अलग, बहुत छोटी लड़की थी। उसके लिए काम करते रहना बहुत जरूरी था। शायद वह चिंता से जूझ रही थी, उसे सिर्फ काम चाहिए था। मुझे तब इस बात का एहसास नहीं था, लेकिन मैंने वो बोल्ड सीन शायद हताश होकर या डिप्रेशन में किया था।'

अभिनेत्रा पत्रलेखा केवर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में 'फुले' फिल्म में नजर आई थीं। यह फिल्म समाज सुधारक ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है। इससे पहले वो अनुभव सिन्हा की वेब सीरीज 'आईसी 814 कंधार हाईजैक' में एयरहोस्टेस के किरदार में दिखाई दी थीं। पत्रलेखा ने अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं।

इस फैसले के लिए वह खुद को दोषी मानती हैं

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'अब वर्तमान में जो पत्रलेखा है वह ऐसा नहीं कर सकती। मैं एक बात और स्पष्ट कर दूं कि फिल्म में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने वही बनाया जो स्क्रिप्ट में लिखा था, लेकिन क्या मैं इसके साथ न्याय कर सकती थी? नहीं। क्या मैं उस फिल्म के लिए सही व्यक्ति थी? नहीं। यह मुझ पर निर्भर था। मुझे इसके बारे में सोचना चाहिए था और डर के कारण ऐसा नहीं करना चाहिए था क्योंकि सच्चाई यह है कि मेरे पास काम नहीं था। इसलिए मैं ईमानदारी से उस फैसले के लिए खुद को दोषी मानती हूं।'

आतंकवाद से लड़ने के लिए लौटा हिम्मत सिंह

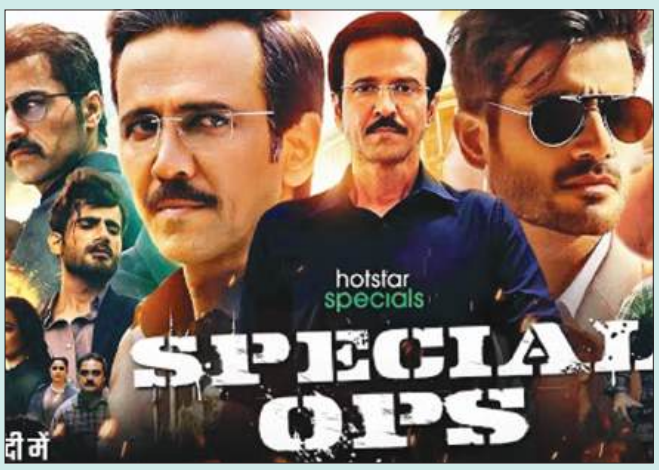

बॉलीवुड | गपशप

नीरज पांडे की पॉपुलर स्पाई सीरीज स्पेशल ऑप्स का दूसरा सीजन वापसी करने वाला है। गुरुवार को इस सीरीज का टीजर रिलीज किया गया। केके मेनन एक बार फिर से हिम्मत सिंह का रोल इस सीरीज में निभाएंगे। हिम्मत सिंह की टीम में भी पुराने लोग ही नजर आएंगे, जो इंटरनेशनल लेवल पर फैल चुके आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगे। इस बार सीरीज में प्रकाश राज की एंट्री भी हुई। उन्हें टीजर में देखकर विलेन वाली फीलिंग आती है लेकिन अभी स्पष्ट नहीं है कि उनका किरदार किस तरह का होगा।

इंस्टाग्राम और बाकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' का टीजर जारी किया गया। टीजर में हिम्मत सिंह (केके मेनन) नजर आते हैं, जो वॉर रूम में अपनी टीम के साथ किसी खास मिशन की तैयारी कर रहे हैं। आगे टीजर में करण टैकर, फारुक अली के किरदार आतंकवादियों को मारते हुए दिखते हैं। टीजर में एक्टर प्रकाश राज और ताहिर राज भसीन की भी झलक मिलती है। इस टीजर को दर्शकों ने काफी पसंद किया है। सिर्फ इंस्टाग्राम पर ही चंद घंटों में इसे पाच लाख से अधिक व्यूज मिल हैं, वहीं 35 हजार के आसपास लाइक्स मिले हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने भी इस टीजर पर रिएक्शन दिए हैं। एक यूजर लिखता है, 'अब जाकर इंतजार खत्म हुआ।' एक अन्य यूजर ने इस सीरीज के टीजर की तारीफ की। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'पांच साल बाद वापसी'।

बताते चलें कि 'स्पेशल ऑप्स' का पहला सीजन साल 2020 में रिलीज हुआ था। दर्शक इस बार इस सीरीज को जियोहॉटस्टार पर देख सकते हैं। 'स्पेशल ऑप्स 2' की रिलीज डेट की अभी घोषणा नहीं की गई लेकिन जल्द ही मेकर्स इसकी जानकारी भी देंगे। केके मेनन की बात करें तो वह पिछले साल सीरीज मुर्शिद में भी नजर आए थे।

अजब-गजब | अपने खौफनाक स्वरूप की वजह से दुनियाभर में मशहूर है यह झील

इस झील में नर कंकाल देखकर देखने वालों की कांप जाती है रूह!

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक खौफनाक झील मौजूद हैं। लेकिन आज हम आपको भारत की एक ऐसी झील के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें नर कंकाल तैरते हुए दिख जाते हैं। इस भयानक मंजर को देखने के बाद लोगों की रूह कांप जाती है। इसका नाम रूपकुंड झील है, जो हिमालय की गोद में उत्तराखंड में स्थित है 5,020 मीटर की ऊंचाई पर त्रिशूल पर्वत के पास स्थित ये छोटी-सी झील सर्दियों में बर्फ से ढकी रहती है। लेकिन गर्मियों में जब बर्फ पिघलती है तो 600-800 मानव कंकाल पानी में तैरते और किनारों पर बिखरे नजर आते हैं। इसे 'स्केलेटन लेक' या 'मिस्ट्री लेक' कहते हैं, जो अपने खौफनाक स्वरूप की वजह से दुनियाभर में मशहूर है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि ये हड्डियां सदियों पुरानी कहानियां सुनाती हैं, जो वैज्ञानिकों और ट्रेकर्स को भी चकित करती हैं। बताया जाता है कि 1942 में नंदा देवी नेशनल पार्क के रेंजर रहे हरि किशन मधवाल ने इस झील को देखा, जहां सैक?ों हड्डियां बिखरी थीं। पहले ब्रिटिश अधिकारियों को लगा कि ये द्वितीय विश्व युद्ध में मरे जापानी सैनिकों के अवशेष हैं। लेकिन जांच से पता चला कि ये हड्डियां बहुत पुरानी हैं।

2003 में नेशनल जियोग्राफिक की टीम ने 30 कंकाल निकाले, जिनमें से कुछ पर मांस और बाल भी बचे थे। उनके साथ लकड़ी के औजार, लोहे के भाले, चमड़े के जूते और अंगूठियां मिलीं, जो उस समय की यात्रा या तीर्थयात्रा की ओर इशारा करती हैं। ये खोज ने झील को और रहस्यमयी बना दिया। एक पुरानी किवदंती कहती है कि कन्नौज के राजा जसधवल अपनी गर्भवती पत्नी रानी बालम्पा और नौकर-चाकरों के साथ नंदा देवी मंदिर की तीर्थयात्रा पर निकले थे। यह नंदा देवी राज जाट यात्रा हर 12 साल में होती थी। इसी के रास्ते में ये झील पड़ती है। लोगों का मानना है कि राजा के ऐशोआराम और अनुचित व्यवहार ने नंदा देवी को नाराज कर दिया। गुस्से में देवी ने बड़े-बड़े ओलों का तूफान भेजा, जिसमें पूरा दल मर गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि ज्यादातर कंकालों के सिर पर गोल चोटें थीं, जो इस किवदंती को कुछ हद तक सच साबित करती हैं। फिर 2019 में नेचर कम्युनिकेशंस की एक स्टडी ने रूपकुंड झील के रहस्य को और रोचक बना दिया। वैज्ञानिकों ने 38 कंकालों के डीएनए और उनकी उम्र जांचने वाली तकनीक से पता लगाया कि ये दो अलग-अलग समय में मरे लोग थे। करीब 800 ईसवी में 23 लोग मरे, जो दक्षिण एशियाई थे और शायद नंदा देवी घूमने जा रहे थे। वहीं, करीब 1800 ईसवी में 14 लोग मरे, जो ग्रीस और क्रेट जैसे भूमध्यसागरीय इलाकों से थे। इस स्टडी से खुलासा हुआ कि इस झील में दो अलग-अलग समय पर लोगों की मौत हुई। उनका खान-पान भी अलग था। लेकिन वैज्ञानिक इस बात से हैरान हैं कि ग्रीक लोग इतनी दूर हिमालय में कैसे पहुंचे? सोशल मीडिया पर लोग इस रहस्य से हैरान हैं। कुछ कहते हैं, क्या ये नंदा देवी का श्राप था? कुछ लोगों को को ग्रीक कंकालों की मौजूदगी चौंकाती है, 1800 में ग्रीस से लोग यहां कैसे आए? ट्रेकर्स इसे डरावना लेकिन रोमांचक बताते हैं, झील तक पहुंचना मुश्किल है, लेकिन हड्डियां देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कुछ ने चिंता जताई कि पर्यटक हड्डियां ले जाते हैं, जिससे झील को नुकसान हो रहा है।

यहां लगती है पैसों की मंडी, झोला भर-भरकर नोट ले जाते हैं लोग

दुनिया में काफी समय से बाजार का कांसेप्ट है। पहले के समय में भी बाजार लगा करते थे। कुछ मार्केट स्पेसिफिक चीजें बेचने के लिए मशहूर होते हैं। जैसे जिसे फल खरीदना है तो वो फल मंडी जाएगा। सब्जियां लेने के लिए सब्जी मंडी जाएगा। कपड़ों की भी अलग गली होती है। कुछ मंडियां बर्तनों के लिए मशहूर होती है। हालांकि, अब चूंकि लोगों के पास समय की कमी होती है, इस वजह से ऐसे मार्केट अब ज्यादा चलन में हैं, जहां एक ही जगह पर इंसान को कई वेरायटी मिल जाती है। सब्जियां भी, फल भी, मसाले भी और कपड़े भी। बात मंडियों की कर रहे हैं तो कुछ दूल्हा-दुल्हन की मंडियां भी हैं, जहां लोग शादी के इरादे से आते हैं। चाहे कोई भी मंडी हो, आपको वहां जाकर चीज पसंद करनी होती है और फिर उसके बदले पैसे देने प?ते हैं। लेकिन आज हम आपको ऐसी मंडी के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आपको पैसे से सामान नहीं खरीदना होता है। बल्कि इन मंडियों में पैसे ही बिकते हैं। जी हां, सही पड़ा आपने। हम बात कर रहे हैं सोमालीलैंड के एक ऐसे मार्केट की, जहां किसी सामान की नहीं, बल्कि पैसों के बंडल की सेल की जाती है। लोग यहां आकर कई-कई झोले पैसे लेकर जाते हैं। आखिर क्यों इस मार्केट में नोटों के बंडल खरीदे और बेचे जाते हैं? आइये आपको बताते हैं। सोमालीलैंड सोमालिया से टूटकर अलग हुआ था। लेकिन अभी तक इसे देश का दर्जा नहीं मिला है। यहां की आबादी करीब चालीस लाख है। इस देश में शिलिंग करेंसी चलती है लेकिन इसकी किसी भी देश में वैल्यू नहीं है। अगर आपको एक डॉलर का सामान लेना है तो इसके लिए नौ हजार शिलिंग देने पड़ेंगे। अगर सब्जियां लेने जाना है तो एक झोला नोट और अगर गलती से आपने कैश में सोना खरीदने का फैसला किया, तो इसके लिए तो आपको एक गाड़ी ही नोट ले जाने के लिए बुक करनी पड़ेगी। इतने नोट खरीदने के लिए लोगों को मंडी जाकर इसे लेना पड़ता है। चूंकि, पेमेंट के लिए इतना कैश लेकर चलना मुमकिन नहीं हो पाता, इस वजह से ज्यादातर लोग यहां ऑनलाइन पेमेंट करते हैं। यहां तक की आपको सोमालीलैंड में भिखारी के हाथ में भी स्मार्टफोन दिख जाएगा, जो ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करता है। आपको बता दें कि इस देश की आर्थिक स्थिति ?फी खराब है। इसका ज्यादातर हिस्सा रेतीला है। साथ ही ये देश टूरिज्म पर ही निर्भर करता है। लोगों के पास जॉब की कमी है और सभी छोटे-मोटे काम कर अपना गुजारा करते हैं।

बिहार में महागठबंधन पूरी तरह है एकजुट : तारिक अनवर

» बोले- राज्य में बदलाव तय, आत्मविश्लेषण के साथ आगे बढ़ें सभी दल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटिहार। बिहार की राजनीति में उस समय नई हलचल पैदा हो गई जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने विपक्षी गठबंधन इंडिया की रणनीति और एकजुटता पर सवाल उठाते हुए भाजपा की मजबूती की सराहना की। इस बयान के बाद जहां सियासी हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हुआ, वहीं कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने इस विवाद को शांत करने और गठबंधन की मजबूती को दोहराने के उद्देश्य से बड़ा बयान दिया है। कटिहार से कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने स्पष्ट कहा कि पी. चिदंबरम जैसे वरिष्ठ नेता के विचारों को बेवजह विवाद का रूप नहीं देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह बयान आलोचना नहीं, बल्कि आत्मविश्लेषण की भावना से दिया गया है, जिसे पार्टी के लोकतांत्रिक ढांचे का हिस्सा माना जाना चाहिए। अनवर ने भरोसा जताया कि बिहार में महागठबंधन पूरी तरह संगठित, सक्रिय और जनता के साथ है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों पर वोट करेगी। उन्होंने कहा कि बदलाव की इस लहर में महागठबंधन की जीत सुनिश्चित है।

भाजपा की नीतियां जनविरोधी

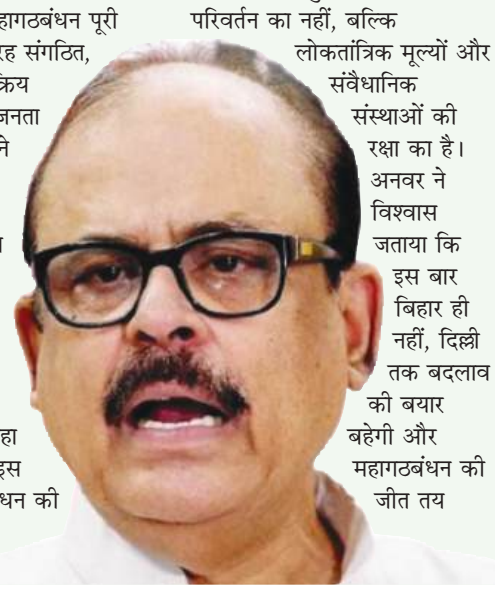

कटिहार में अपने संबोधन के दौरान तारिक अनवर ने महागठबंधन के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एकता, अनुशासन और समर्पण के साथ चुनावी मैदान में उतरें। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा का है। अनवर ने विश्वास जताया कि इस बार बिहार ही नहीं, दिल्ली तक बदलाव की बयार बहेगी और महागठबंधन की जीत तय होगी। तारिक अनवर ने भाजपा सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक विषमता से तंग आ चुकी है। सरकार की नीतियां जनविरोधी साबित हुई हैं और लोग बदलाव चाहते हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन एकमात्र विकल्प बनकर उभरा है जो लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

चिदंबरम के बयान को न दें तूल

सांसद तारिक अनवर ने चिदंबरम के बयान को लेकर उठे विवाद को गैरजरूरी बताते हुए कहा कि पार्टी के भीतर स्वस्थ संवाद और आलोचना से ही संगठन मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों या क्षेत्रों में गठबंधन की रणनीति में खामी हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पूरे देश में एकजुटता नहीं है। विशेष रूप से बिहार में महागठबंधन मजबूत स्थिति में है और वहां कार्यकर्ताओं में जोश और समर्पण स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

जस्टिस गवई ने की कपिल सिब्बल की तारीफ

» जस्टिस बेला के लिए सामान्य विदाई समारोह न होने पर जताई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने रिटायर्ड जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी के लिए सामान्य विदाई समारोह आयोजित नहीं करने के 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के फैसले की निंदा की। उन्होंने जस्टिस त्रिवेदी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की सदस्यता वाली औपचारिक बेंच की अध्यक्षता करते हुए कहा कि मुझे खुले तौर पर इसकी निंदा करनी चाहिए, क्योंकि मैं स्पष्ट रूप से बोलने में विश्वास करता हूं...एसोसिएशन को ऐसा रुख नहीं अपनाना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने एससीबीए अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और उपाध्यक्ष रचना श्रीवास्तव की कार्यवाही के दौरान उपस्थिति के लिए प्रशंसा की। बार निकाय ने शाम को न्यायमूर्ति त्रिवेदी के लिए सामान्य (विदाई) समारोह आयोजित नहीं किया था।

चीफ जस्टिस ने कहा कि वह कपिल सिब्बल और रचना श्रीवास्तव के आभारी हैं, वे दोनों यहां मौजूद हैं। लेकिन एसोसिएशन ने जो रुख अपनाया है, वह उसकी खुले तौर पर निंदा करते हैं, ऐसे मौके पर एसोसिएशन को ऐसा रुख नहीं अपनाना चाहिए था। सीजेआई ने कहा कि निकाय द्वारा पारित किये गये प्रस्ताव के बावजूद वे यहां आए इसलिए वह सिब्बल और श्रीवास्तव की मौजूदगी के लिए खुले दिल से उनकी सराहना करते हैं, इससे इस बात की पुष्टि होती है कि वह एक बहुत अच्छी न्यायाधीश हैं। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश कई तरह के होते हैं, लेकिन यह ऐसा कारण नहीं होना चाहिए जिससे उन्हें विदाई सामान्य न दिया जाए, जो उनको दिया जाना चाहिए था।

ऑपरेशन संकल्प पर सरकार में ही नहीं सामंजस्य : भूपेश बघेल

» बीजापुर मुठभेड़ पर सियासत गरम, पूर्व सीएम ने उठाए कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोंडागांव। बीजापुर में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए कथित ऑपरेशन संकल्प को लेकर राज्य सरकार में ही बयानबाजी के विरोधाभास सामने आ गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 8 मई की रात 22 से अधिक नक्सलियों के मारे जाने का दावा किया, जबकि उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने ऐसे किसी ऑपरेशन के अस्तित्व से ही इनकार कर दिया। सवाल उठता है कि इतनी बड़ी कार्रवाई की जानकारी गृहमंत्री को क्यों नहीं थी, और इसकी आधिकारिक पुष्टि में देरी क्यों हुई?

स्थानीय मीडिया को जिला अस्पताल में जाने की अनुमति न देना भी सवालों के घेरे में

है। जिन शवों की पहचान हुई, उनके नाम और परिजनों के विवरण अब तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। कोंडागांव में कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उन्होंने बीजेपी सरकार को हर मोर्चे पर घेरा। उन्होंने कहा सीएम और डिप्टी सीएम में ही सामंजस्य नहीं है, आदिवासियों को नक्सली बताकर मारा जा रहा है, किसान परेशान हैं और रेत माफिया बेलगाम।

नहीं बन पाएगी : रामजी गौतम

» राज्यसभा सांसद बोले- हमारे पास सत्ता की चाबी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कैमूर। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने कैमूर जिले में अपनी राजनीतिक मौजूदगी को मजबूती से दर्ज कराया है। संगठन की समीक्षा बैठक के बहाने पार्टी ने न सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट किया, बल्कि आने वाले चुनावों में दमदारी से उतरने का एलान भी किया। इस बैठक में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद और बसपा के वरिष्ठ नेता रामजी प्रसाद गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने मंच से साफ कहा कि बिहार में सत्ता की चाबी बसपा के हाथ में होगी।

रामजी गौतम ने हाल ही में समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव द्वारा सेना की अधिकारी व्योमिका सिंह पर की गई जातिगत टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सेना में चाहे अधिकारी हो या सैनिक, उनका कोई धर्म और जाति नहीं होता। उनका धर्म और कर्म केवल देश और नागरिकों की सुरक्षा करना होता है। जो लोग सेना के जवानों को जाति-धर्म के चश्मे से देखते हैं, उनकी सोच बेहद संकीर्ण है।

केंद्र और राज्य सरकार पर भी साधा निशाना

रामजी गौतम ने केंद्र और राज्य की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश के किसी भी हिस्से में जाने से नहीं रोका जाता, लेकिन जब कोई आयोजन होता है तो उसकी अनुमति और सूचना पहले से दी जाती है। अगर इसी प्रक्रिया में बिहार में किसी आयोजन को लेकर कोई रोका-टोकी हुई है तो यह गलत है। राज्यसभा सांसद ने स्पष्ट किया कि बसपा आगामी विधानसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ेगी और पार्टी को पूर्ण विश्वास है कि बिना बसपा के किसी की सरकार नहीं बन पाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी न तो किसी गठबंधन में जाएगी और न ही किसी पार्टी की पिछलग्गू बनेगी। बिहार की सत्ता में आने के लिए बसपा अब पूरी तरह से तैयार है।

आईपीएल के दूसरे चरण का आगाज आज से

» आरसीबी-केकेआर के बीच होगा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। आईपीएल 2025 के दूसरे चरण का आगाज आज 10 दिनों के अप्रत्याशित रुकावट के बाद से होने जा रहा है। यह लीग का 58वां मुकाबला होगा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। इस मैच में सभी की निगाहें हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर होंगी। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है और केकेआर के खिलाफ जीत टीम के लिए प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर देगी।

वहीं, केकेआर 12 मैचों में 11 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है और एक भी हार मौजूदा चैंपियन की नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदों को खत्म कर देगी। मैच में हालांकि सबकी नजरें कोहली पर होंगी। स्टेडियम में भी दर्शक उनके नाम का सबसे ज्यादा नारा लगाएंगे। इस दिग्गज बल्लेबाज ने इस सप्ताह की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर अगर गौर करें तो प्रशंसक खेल के पारंपरिक प्रारूप को सबसे ज्यादा महत्व देने वाले इस बल्लेबाज को सम्मानित करने के लिए सफेद जर्सी पहनने की योजना बना रहे हैं। शानदार लय में चल रहे कोहली भी टेस्ट करियर के अचानक समाप्त होने के बाद बल्ले से कुछ प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे। केकेआर को मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा निराशा अपने बल्लेबाजों से हुई है। कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के अलावा किसी भी बल्लेबाज ने निरंतरता नहीं दिखायी हैं।

टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली पर नजरें

भारत ए टीम में करुण नायर को मिला मौका

मुंबई। बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम घोषित कर दी है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने का ईनाम करुण नायर को मिला और उन्होंने इसके लिए टीम में जगह दी गई है। भारत ए टीम को इंग्लैंड दौरे पर इंग्लैंड लायंस टीम के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच खेलने हैं। भारतीय टीम इस दौरे पर अभिमन्यु ईश्वरन की कप्तानी में खेलने उतरेगी। नायर ने भारत के लिए आखिरी बार 2017 में टेस्ट मैच खेला था। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपना दम दिखाया था और टीम में उनकी वापसी इसी प्रदर्शन की बदौलत हुई है। भारत अपनी टेस्ट टीम को मजबूती देना चाहता है और यह दौरा नायर के लिए सीनियर टीम में वापसी के दरवाजे खोल सकता है। 31 वर्षीय करुण ने घरेलू क्रिकेट में विदर्भ के लिए खेलते हुए विजय हजारे ट्रॉफी के आठ मैचों में 779 रन बनाए जिसमें पांच शतक शामिल था।

शर्मनाक : भाजपा के बेशर्म नेता किसी की मानते नहीं

सेना का अपमान करने में सबसे आगे, मंत्री के बाद अब मप्र के डिप्टी सीएम के बयान पर बवाल, कांग्रेस बोली- देवड़ा ने पूरी सेना का किया अपमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी का विवाद अभी थमा नहीं अब वहां के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की सेना पर टिप्पणी कर अपनी निर्लजता दिखा दी है। उनके इस बयान पर सियासी बवाल भी शुरू हो गया है।

मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आज इसको लेकर मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि विजय शाह ने सेना के अधिकारी का अपमान किया लेकिन उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा उससे एक कदम आगे जाकर पूरी सेना का अपमान कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि सेना का बीजेपी नेताओं द्वारा बार-बार अपमान करना शर्मनाक है। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग लेने आए स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

देवड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में भारत के हमलों का जिक्र करते हुए उपस्थित लोगों से कहा कि सेना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है।

भाजपा अपने नेताओं को बचाने में पूरा जोर लगा रही : प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी ट्वीट कर अपनी नाराजगी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा के नेताओं की ओर से लगातार हमारी सेना का अपमान अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। पहले मध्य प्रदेश के एक मंत्री ने महिला सैनिकों पर अभद्र टिप्पणी की और अब उनके उपमुख्यमंत्री ने सेना का घोर अपमान किया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश की जनता सेना के शौर्य पर गौरवान्वित है लेकिन भाजपा के लोग सेना को अपमानित कर रहे हैं और भाजपा अपने इन नेताओं पर कार्रवाई करने की जगह उन्हें बचाने में पूरा जोर लगा रही है। भाजपा ऐसा करके हमारी सेना और देशवासियों को क्या संदेश देना चाहती है?

भाजपा सरकार तानाशाही कर रही है : उमंग सिंघार

उमंग सिंघार ने कहा कि भाजपा की सरकार तानाशाही कर रही है और जनप्रतिनिधियों आमजन की भावनाओं का सम्मान नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि क्या विजय शाह के बयान पर मुख्यमंत्री और भाजपा की मौन स्वीकृति है। आखिर क्यों विजय शाह से अबतक इस्तीफा नहीं लिया गया। वहीं अब जगदीश देवड़ा पर भी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की चुप्पी बताती है कि क्या उनकी इन बयानों से मौन स्वीकृति है। नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि राज्यपाल महोदय से मुलाकात में उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में बात करूंगा जब हमे संतोषजनक जवाब नहीं मिला तब जाकर हमने धरना दिया। धरने से बौखलाई सरकार ने पुलिस के जरिये कांग्रेस विधायकों से जबर्दस्ती की। ये भाजपा की तानाशाही नहीं तो और क्या है। भाजपा और उनका नेतृत्व जनभावनाओं का भी ख्याल नहीं कर रहा।

भाजपा और उनके नेता पाप कर रहे हैं : श्रीनेत

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सेना और सैनिक किसी के चरणों में नतमस्तक है- ऐसी बात इस देश का कोई व्यक्ति कह ही नहीं सकता। क्योंकि पहलगाम हमले के बाद जिस सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया और पाकिस्तान की रूह कंपा दी, उस सेना के लिए ऐसा कहना पाप है, लेकिन भाजपा और उनके नेता ये काम बार-बार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सेना के लिए पूरे देश में हर व्यक्ति के मन में सम्मान है और पूरा राष्ट्र कृतज्ञ है, क्योंकि सेना की वजह से ही हम सुरक्षित रह पाते हैं। सेना के लिए जिस व्यक्ति के मन में ऐसी दुर्भावना और गंदे विचार हैं, उसका किसी पद पर रहने का कोई हक नहीं है। इस बार माफी मांगने से काम नहीं चलेगा, बीजेपी मूक-दर्शक बनी नहीं रहेगी और पीएम मोदी छिपे नहीं रह सकते।

मंत्रियों को बचाने में लगे सीएम : कमलेश्वर पटेल

वहीं कार्यसमिति मेम्बर कमलेश्वर पटेल ने भी सरकार पर जमकर हमला बोला उन्होंने कहा कि विजय शाह ने भारत की बेटी और जांबाज़ सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर भद्दी टिप्पणी की। यह न सिर्फ़ देश की फौज, बल्कि उसकी सेक्युलर परंपरा और महिला अफसरों की गरिमा, तीनों पर सीधा हमला था। यही नहीं मुख्यमंत्री की चुप्पी बताता है कि वो अपने मंत्रियों को बचाने में लगे हैं। प्रेसवार्ता के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मंत्री का पुतला भी दहन किया गया।

शहबाज शरीफ ने कबूला भारत ने किया था हमला

» बोले पाक पीएम- सहमे मुनीर ने आधी रात 2:30 बजे किया फोन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 10 मई की रात पाकिस्तान के लिए सबसे खौफनाक थी। आधी रात को भारत ने रावलपिंडी के नूरखान समेत 11 एअरबेस तबाह कर दिए। हालांकि जब पाकिस्तान के एअरबेस पर भारत की मिसाइलें बरस रहीं थीं तो इस्लामाद में बैठे आलाकमानों का क्या हाल था? इसका खुलासा खुद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने किया है।

दरअसल पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने हाल ही में इस्लामाबाद के पाकिस्तान मॉन्यूमेंट में आयोजित यौम-ए-तशक्कुर कार्यक्रम में शिरकत की थी। इस दौरान शहबाज शरीफ ने 10 मई की रात का जिक्र किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने कहा, 9-10 मई की रात को लगभग 2.30 बजे सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर का फोन आया और उन्होंने मुझे बताया कि हिन्दुस्तान ने बैलिस्टिक मिसाइलों से नूर खान समेत कई एअरबेस को निशाना बनाया है।

पहली बार स्वीकारा

बता दें कि यह पहली बार है जब पाक सरकार ने भारत के हमले की बात कबूल की है। इससे पहले पाकिस्तान की सेना ने हमले पर हामी भरी थी, लेकिन सरकार लगातार इससे इनकार कर रही थी। हालांकि शुक्रवार को पाक पीएम ने खुद नूरखान एअरबेस पर हमले की बात स्वीकार कर ली है।

10 मई को सेना प्रवक्ता ने दी थी जानकारी

10 मई की सुबह पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इमरजेंसी प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान उन्होंने अपनी आवाम को जानकारी दी कि भारत ने नूरखान, मुरीदके, रफीकी समेत कई एअरबेस पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं।

सिंधु जल संधि को लेकर जम्मू-कश्मीर में भड़की सियासी आग

आपस में भिड़ गए अब्दुल्ला और महबूबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। तुलबुल नौवहन परियोजना को पुनर्जीवित करने की मांग को लेकर जम्मू एवं कश्मीर की सियासत में बवाल मच गया है। राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी पूव सीएम महबूबा मुफ्ती के बीच सोशल मीडिया पर सार्वजनिक बहस छिड़ गई। महबूबा मुफ्ती ने सरकार पर भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त होने के बीच उकसाने वाले कदम उठाने का आरोप लगाया। हालांकि, अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि मुफ्ती इस विचार का विरोध करके सस्ते प्रचार के लिए और पाकिस्तान में कुछ लोगों को खुश करने की कोशिश कर रही हैं।

तुलबुल नेविगेशन परियोजना का उद्देश्य बांदीपुरा जिले में झेलम से बहने वाली वुलर झील को पुनर्जीवित करना है। परियोजना 1987 में शुरू की गई थी, लेकिन 2007 में पाकिस्तान की आपत्तियों के कारण इसे रोक दिया गया था कि यह सिंधु जल संधि का उल्लंघन करती है।

पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद 23 अप्रैल को भारत द्वारा संधि को निलंबित करने के बाद, अब्दुल्ला ने गुरुवार को वुलर झील पर परियोजना में काम फिर से शुरू करने का आह्वान किया।

एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि पाकिस्तान के साथ जल समझौते को स्थगित रखा गया है, मुझे आश्चर्य है कि क्या हम परियोजना को फिर से शुरू कर पाएंगे।

सिंधु संधि ने छीना कश्मीरियों का जल अधिकार : उमर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने इस संधि को राज्य के लोगों के हितों के खिलाफ बताया है और कहा है कि यह एक ऐतिहासिक विश्वासघात था। उन्होंने कहा कि वह शुरू से ही इस संधि का विरोध करते आए हैं और आगे भी इसका विरोध करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि असल में दुर्भाग्य यह नहीं है कि मैं इस संधि का विरोध कर रहा हूं, बल्कि यह है कि कुछ लोग सस्ती लोकप्रियता पाने और सरहद पार बैठे लोगों को खुश करने की लालसा में इस अन्याय को स्वीकार करते हैं। इंडस जल संधि ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को अपने संसाधनों, खासकर पानी, से वंचित कर दिया यह अन्याय है। इस संधि ने हमें अपनी नदियों का पानी उपयोग करने से प्रतिबंधित किया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस संधि का विरोध कोई युद्ध भड़काने वाली मानसिकता नहीं, बल्कि ऐतिहासिक अन्याय को सही करने की एक कोशिश है।

कमजोर लोगों को असहनीय कीमत चुकानी पड़ती है : महबूबा

उन्होंने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि उत्तरी कश्मीर में वुलर झील। वीडियो में आप जो सिविल कार्य देख रहे हैं, वह तुलबुल नेविगेशन बैराज है। इसे 1980 के दशक की शुरुआत में शुरू किया गया था, लेकिन सिंधु जल संधि का हवाला देते हुए पाकिस्तान के दबाव में इसे छोड़ना पड़ा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा कि अगर तुलबुल परियोजना पूरी हो जाती है तो इससे झेलम नदी का इस्तेमाल नौवहन के लिए करने में मदद मिलेगी। इससे हमें झेलम नदी का इस्तेमाल नौवहन के लिए करने का लाभ मिलेगा। इससे डाउनस्ट्रीम बिजली परियोजनाओं के बिजली उत्पादन में भी सुधार होगा।

केदारनाथ धाम में हेलीकॉप्टर हादसा

» इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान पीछे का हिस्सा टूटा, सभी यात्री सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में हेली एम्बुलेंस में लैंडिंग के वक्त हादसा हो गया। ये हेली एंबुलेंस दो डॉक्टरों को लेकर केदारनाथ जा रहा था। केदारनाथ धाम के हेलीपैड में लेंडिंग के समय ये हादसा हुआ है। जिसके बाद हेलीकॉप्टर के पीछे का हिस्से टूटकर टेढ़ा हो गया।

पायलट की सूझबूझ से दो चिकित्सकों की जान बच गई है। हेलीकॉप्टर में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। एमरजेंसी लेंडिंग के दौरान हेलीकाप्टर के पीछे का हिस्सा टूट गया है। ये सरकारी हेलीकाप्टर एम्स का बताया जा रहा है।

ट्रैक्टर से टक्कर के बाद वैन से जा भिड़ी बस, 4 की मौत व 15 घायल

तमिलनाडु। करूर जिले के सेम्मादाई के पास एक ओमनी बस ने एक ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी, जिसके बाद विपरित दिशा में जा रही एक पर्यटक वैन से टकरा गई। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए।पुलिस ने बताया कि मृतकों में वैन चालक भी शामिल है और घायल लोगों को इलाज के लिए पास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, ओमनी बस बेंगलुरू से नागरकोइल की ओर जा रही थी। इस भीषण टक्कर के कारण ओमनी बस, ट्रैक्टर और वैन के अगले हिस्से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना को लेकर जांच जारी है।

शनिवार की सुबह लखनऊ में चली ठंडी हवा, बूंदाबांदी से तापमान गिरा

» बांदा में पारा 46 के पार पहुंचा, जिलों के लिए जारी हुआ लू का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश भीषण गर्मी से तप रहा है। शुक्रवार को कई जिलों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री के पार चला गया। 46.2 डिग्री सेल्सियस के साथ बांदा देशभर में सबसे गर्म रहा।

हालांकि शनिवार को सुबह राजधानी लखनऊ में मौसम ने करवट ली। सुबह से बादल छाए रहे और हवा के झोंकों से मौसम खुशगवार हो गया है। जगह-जगी छिटपुट रिमझिम बारिश हुई। तापमान भी गिरा जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को दक्षिणी यूपी, बुंदेलखंड के साथ ही आगरा और अलीगढ़ क्षेत्र में गर्मी और लू का प्रकोप और बढ़ने की आशंका है। इसके अलावा शुक्रवार को बहराइच, बलरामपुर में बूंदाबांदी हुई। मध्य भारत के ऊपर प्रति चक्रवात की वजह गर्म हवाओं का अधोगमन हो रहा है। साथ ही विकिरणीय ऊष्मन (रेडिएटिव हीटिंग) और संवेदी ऊष्मन साथ-साथ हो रहा है। साथ ही गरम पछुआ भी तपिश में इजाफा कर रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।